मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 16

अनुक्रमांक . ...

नाम . ...

101 **301(DL)**

2022

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

ii) इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है ।

खण्ड - क

1. क) 'नासिकेतोपाख्यान' के लेखक हैं

i) बालकृष्ण भट्ट

ii) इंशा अल्ला खाँ

iii) सदल मिश्र

iv) देवकी नन्दन खत्री । 1

ख) भारतेन्दु-युग की पत्रिका है

i) 'कवि वचन सुधा'

ii) 'सरस्वती'

iii) 'मर्यादा'

iv) 'हंस'। 1

ग) 'तितली' के लेखक हैं

i) 'अज्ञेय'

ii) श्यामसुन्दर दास

iii) जयशंकर प्रसाद

iv) प्रेमचन्द । 1

घ) भारत-दुर्दशा रचना किसकी है ?

i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

ii) जयशंकर प्रसाद

iii) प्रेमचन्द

iv) प्रताप नारायण मिश्र । 1

ङ) बाणभट्ट की आत्मकथा की रचना विधा है

i) कहानी

ii) उपन्यास

iii) नाटक

iv) एकांकी । 1

Previous Pathshala

2. क) 'आँसू' के रचनाकार हैं

i) महादेवी वर्मा

ii) जयशंकर प्रसाद

iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

iv) राम कुमार वर्मा । 1

ख) 'तार सप्तक' काव्य संकलन के सम्पादक हैं

i) सुमित्रानन्दन पंत

ii) नरेन्द्र शर्मा

iii) 'अज्ञेय'

iv) धर्मवीर भारती । 1

ग) छायावाद युग की रचना है

i) कामायनी

ii) प्रिय प्रवास

iii) साकेत

iv) वैदेही वनवास । 1

घ) 'समकालीन कविता' के प्रमुख कवि हैं

i) मुक्तिबोध

ii) भूषण

iii) रहीम

iv) 'धूमिल' । 1

ङ) 'साकेत' कृति के रचनाकार हैं

i) रामकुमार वर्मा

ii) महादेवी वर्मा

iii) मैथिलीशरण गुप्त

iv) जयशंकर प्रसाद । 1

3. निम्नलिखित गद्यांशों का सन्दर्भ देते हुए किसी एक के नीचे दिये गये प्रश्नों का उत्तर दीजिए :

$2 + 2 + 2 + 2 + 2 = 10$

जन का प्रवाह अनंत होता है । सहस्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है । जब तक

Previous Pathshala

सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रातः काल भुवन को अमृत से भर देती हैं, तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है । इतिहास के अनेक उतार-चढ़ाव पार करने के बाद ही राष्ट्र-निवासी जन नई उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए अजर-अमर हैं । जन का संततवाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है ।

i) राष्ट्रीय जन का जीवन कब तक अमर है ?

ii) लेखक ने जन-जीवन के प्रवाह को नदी की तरह क्यों कहा है ?

iii) 'तादात्म्य' और 'अजर' का शब्दार्थ लिखिए ।

iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

v) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए ।

अथवा

अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहर हो, जितना भी रहस्यमय हो, जितना भी अलंकारमय हो, परन्तु है वह उस विशाल सामंत-सभ्यता की परिष्कृति रुचि का ही प्रतीक जो साधारण प्रजा के परिश्रमों पर पली थी, उसके रक्त के संचार कणों को खाकर बड़ी हुई थी और लाखों-करोड़ों की उपेक्षा से जो समृद्ध हुई थी । वे सामंत उखड़ गये, समाज ढह गये और मदनोत्सव की धूमधाम भी मिट गई । सन्तान कामिनियों को गन्दर्भों से अधिक देवताओं का वरदान मिलने लगा – पीरों ने, भूत-भैरवों ने, काली, दुर्गा ने यक्षों की इज्जत घटा दी । दुनिया अपने रास्ते चली गई, अशोक पीछे छूट गया ।

i) अशोक किसका प्रतीक है ?

ii) विशाल सामन्त सभ्यता कैसे समृद्ध हुई थी ?

iii) यक्षों की इज्जत किसने घटा दी ?

iv) 'परिष्कृत' और 'समृद्ध' शब्द का अर्थ क्या है ?

v) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

Previous Pathshala

4. नीचे दिए गए पद्यांशों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 5 × 2 = 10

दुख की पिछली रजनी बीच
विकसता सुख का नवल प्रभात ।
एक परदा यह झीना नील,
छिपाये है जिसमें सुख-गात ।
जिसे तुम समझे हो अभिशाप,
जगता की ज्वालाओं का मूल ।
ईश का वह रहस्य वरदान,
कभी मत जाओ इसको भूल ।

i) कवि ने दुख की तुलना किससे की है ?

ii) झीना परदा में क्या छिपा हुआ है ?

iii) सुख-गात में कौन-सा अलंकार है ?

iv) रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए ।

v) पाठ का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए ।

अथवा

आज की दुनिया विचित्र, नवीन,
प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन
हैं बँधे नर के करों में वारि, विद्युत, भाप
हुक्म पर चढ़ता-उतरता है पवन का ताप
है नहीं बाकी कहीं व्यवधान ।
लाँघ सकता नर सरित, गिरि, सिन्धु एक समान

i) आज की दुनिया किस प्रकार है ?

ii) पुरुष के हाथों में क्या बँधे हैं ?

iii) 'चढ़ता-उतरता' में कौन-सा समास है ?

iv) रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए ।

v) पाठ का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए ।

5. क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का जीवन परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए । 3 + 2 = 5

i) हजारी प्रसाद द्विवेदी ।

ii) डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम ।

iii) वासुदेवशरण अग्रवाल ।

ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए : 3 + 2 = 5

i) मैथिलीशरण गुप्त

ii) जयशंकर प्रसाद

iii) रामधारी सिंह 'दिनकर' ।

Previous Pathshala

6. 'पंचलाइट' **अथवा** 'कर्मनाशा की हार' कहानी का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

(अधिकतम शब्द सीमा **80** शब्द) 5

अथवा

'बहादुर' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के प्रश्नों का उत्तर दीजिए । (अधिकतम शब्द सीमा **80** शब्द) 5

क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए ।

ख) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए ।

ग) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर उसकी नायिका के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

घ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की नारी पात्र की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ङ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर असहयोग आन्दोलन की घटना का वर्णन कीजिए ।

च) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

Previous Pathshala

खण्ड - ख

8. निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी **एक** का हिन्दी में ससन्दर्भ अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

क) संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम् । तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोध सामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते । किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणां संस्कृत-वाङ्मयं ददाति न तादृशीम् किञ्चिदन्यत् । मूलभूतानां मानवीयगुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी । दया, दानं, शौचम्, औदार्यम्, अनसूया, क्षमा, अन्ये चानेके गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलनेन सञ्जायन्ते ।

अथवा

हिन्दी-संस्कृताङ्ग्लभाषासु अस्य समानः अधिकारः आसीत् । हिन्दी-हिन्दु हिन्दुस्थाना-नामुत्थानाय अयं निरन्तरं प्रयत्नमकरोत् । शिक्षायैव देशे समाजे च नवीनः प्रकाशः उदेति

अतः श्रीमालवीयः वाराणस्यां काशीविश्वविद्यालयस्य संस्थापनमकरोत् । अस्य निर्माणाय अयं जनानां धनम् अयाचत जनाश्च महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रायच्छन्, तेन निर्मितोऽयं विशालः विश्वविद्यालयः भारतीयानां दानशीलतायाः श्रीमालवीयस्य यशसः च प्रतिमूर्तिरिव विभाति ।

ख) निम्नलिखित संस्कृत श्लोकों का हिन्दी में संदर्भ सहित अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

निन्दतु नीतिनिपुणा यदि वा स्तुवन्तु
लक्ष्मीः समाविशतु गच्छतु वा यथेष्टम् ।
अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा
न्याय्यात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः ।

अथवा

वैवस्वतो मनुर्नाम माननीयो मनीषिणाम् ।
आसीन्महीक्षितामाद्यः प्रणवश्छन्दसामिव ।।

Previous Pathshala

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का संस्कृत में उत्तर दीजिए : 2 + 2 = 4

i) संस्कृत साहित्यस्य आदि कविः कः आसीत् ?

ii) चतुष्पदाः कं राजानम् अकुर्वन् ?

iii) कः पाण्डवः दूतः अभवत् ?

iv) कः सर्वज्ञः भवति ?

10. क) 'करुण' **अथवा** 'वीर' रस की परिभाषा तथा उसका एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

ख) 'अनुप्रास' **अथवा** 'रूपक' अलंकार की परिभाषा तथा उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

ग) 'दोहा' **अथवा** 'कुण्डलिया' छन्द की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : 9

i) सूरदास ।

ii) आत्मनिर्भर भारत की संभावना ।

iii) भारत में नारी-शिक्षा का स्वरूप ।

iv) पर्यावरण संरक्षण के लिए हमारा दायित्व ।

v) विज्ञान : अभिशाप या वरदान ।

12. क) i) 'पावकः' का सन्धि-विच्छेद है

अ) पौ + अकः

ब) पाव् + अकः

स) पो + अकः

द) पा + अकः । 1

ii) 'प्रेजते' का सन्धि-विच्छेद होगा

अ) प्र + इजते

ब) प्रे + अजते

स) प्र + एजते

द) प्र + ऐजते । 1

iii) 'सच्चित्' का सन्धि-विच्छेद कीजिए । 1

ख) i) निम्नलिखित में से किसी **एक** पद का समास का नाम लिखिए :

अ) कृष्णसर्पः

ब) यथाशक्ति

स) प्रत्येक । 1

ii) 'नीलगाय' में समास है

अ) अव्ययीभाव

ब) कर्मधारय

स) द्विगु

द) द्वन्द्व । 1

Previous Pathshala

13. क) 'तिष्ठेम' **अथवा** 'करिष्यामि' किस धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का रूप है ? 2

ख) 'नामसु' किस शब्द, विभक्ति तथा वचन का रूप है ? 2

ग) (i) 'नीत्वा' शब्द में प्रत्यय है

अ) तव्यत्

ब) क्त्वा

स) अनीयर्

द) वतुप । 1

(ii) 'गतिमान' शब्द में प्रत्यय है

अ) त्व

ब) मतुप

स) अनीयर्

द) वतुप । 1

घ) निम्नलिखित रेखांकित पदों में किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा उससे सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए : 1 + 1 = 2

i) भिक्षुकः <u>शिरसा</u> खल्वाटः अस्ति ।

ii) <u>गणेशाय</u> नमः ।

iii) <u>ग्रामं</u> समया विद्यालयः अस्ति ।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 2 + 2 = 4

i) तुम दोनों आकर पढ़ो ।

ii) गाँव के समीप नदी बहती है ।

iii) विद्या अभ्यास से आती है ।

iv) वह अध्यापक के साथ घर जायेगा ।

v) गंगा हिमालय से निकलती हैं ।

301(DL) – 1,20,000

Previous Pathshala